

जो कहा तुमने, हकीकत, उसे हम मान गये ^{sssss}
कर्म का वास्ता, आया तो बुरा, मान गये ^{sssss}

जो कहा - - - - - कर्म का - - - - -

① मेरी चाहत में, कमी ब्याथी, मुझे बतला दे ^{sssss}
जरा सी आँख, दिखाई तो, बुरा मान गये ^{sssss}

कर्म का - - - - - जो कहा - - - - -

② तेरे हर दर्द को, अपना ही, दर्द माना है ^{sssss}
दर्द जब अपना, सुनाया तो, बुरा मान गये ^{sssss}

कर्म का - - - - - जो कहा - - - - -

③ देखकर दाने तेरे, आँखें मेरी भर आई थी ^{sssss}
हमने जो जरूम, दिखाये तो, बुरा मान गये ^{sssss}

कर्म का - - - - - जो कहा - - - - -

④ तमाम उम्र भर - सुनते रहे - बातें तेरी ^{sssss}
जरा सी अनसुनी, कर दी तो, बुरा मान गये ^{sssss}

कर्म का - - - - - जो कहा - - - - -

⑤ रहे कुबनि ^{sssss} हम हरदम तेरी, चाहत के लिये ^{sssss}
मैंने - चाहत में, कमी की तो, बुरा मान गये ^{sssss}

कर्म का - - - - - जो कहा - - - - -

⑥ तेरे हर शौब को, देखा करीब से मैंने ^{sssss}
जरा सा शौब, दिखाया तो, बुरा मान गये ^{sssss}

कर्म का - - - - - जो कहा - - - - -

⑥ तेरे हर हाल पे, रक्खी थी, ये नजर अपनी ^{sssss}
जरा नजरों को, हटाया तो, पुरा मान गये ^{sssss}
कर्म का - - - - - जो कहा - - - - -

⑦ जरा बोल दे कर बबदि, जिन्दगी अपनी ^{sssss}
ठिकाना पा गये ^{ssss} जब तू तो, पुरा मान गये ^{sssss}
कर्म का - - - - - जो कहा - - - - -

⑧ तेरी हर खीज को, सहते रहे " श्री बाबा श्री "
जरा सी खीज, दिखाई तो, पुरा मान गये ^{sssss}
कर्म का - - - - - जो कहा - - - - -